भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
02.04.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 5161 का उत्तर

वर्ष 2030 तक निवल शून्य कार्बन उत्सर्जन

5161. श्री अनूप संजय धोत्रे:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या रेलवे वर्ष 2030 तक निवल शून्य कार्बन उत्सर्जन प्राप्त करने की दिशा में लगातार काम कर रही है ताकि दुनिया का सबसे बड़ा ग्रीन रेलवे बन सके और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या केंद्र सरकार ने अपने संपूर्ण ब्रॉड-गेज नेटवर्क के विद्युतीकरण की महत्वाकांक्षी योजना शुरू की है;
(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में जोन-वार क्या उपलब्धियां हासिल की गई हैं;
(घ) चालू वित्त वर्ष के लिए रेल मार्गों के विद्युतीकरण के लिए निर्धारित लक्ष्य का ब्यौरा क्या है; और
(ङ) 1 जनवरी, 2025 तक विशेषकर महाराष्ट्र में विद्युतीकृत रेल मार्गों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): भारतीय रेल ने गैर-जीवाश्म स्रोतों के माध्यम से बिजली के उपयोग, रेलपथ के विद्युतीकरण से डीजल की खपत में बचत, माल और यात्रियों को सड़क मार्ग से रेल मार्ग पर स्थानांतरित करने की दिशा में लगातार प्रयास, ट्रेन सेट चलाने के लिए हाइड्रोजन गैस का उपयोग आदि के माध्यम से कार्बन उत्सर्जन को संतुलित कर शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जक बनने का लक्ष्य रखा है। इन प्रयासों के माध्यम से, भारतीय रेल स्कोप 1 उत्सर्जन के लिए शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जक का दर्जा प्राप्त करने की राह पर है।

भारतीय रेल कुल बड़ी लाइन नेटवर्क का लगभग 98% विद्युतीकृत है। वर्ष 2014-24 के दौरान और 2014 से पहले किए गए विद्युतीकरण कार्य निम्नानुसार हैं:

अवधि	मार्ग किलोमीटर
2014 से पहले (लगभग 60 वर्ष)	21,801
2014-25 (फरवरी 2025 तक)	45,922

शेष खंडों में विद्युतीकरण का कार्य शुरू कर दिया गया है। अब तक विद्युतीकरण की ज़ोनवार स्थिति निम्नानुसार है:

क्रम संख्या	ज़ोन	विद्युतीकृत %
1	दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे	100%
2	उत्तर रेलवे	100%
3	पूर्वोत्तर रेलवे	100%
4	पश्चिम मध्य रेलवे	100%
5	उत्तर मध्य रेलवे	100%
6	पूर्व तट रेलवे	100%
7	मध्य रेलवे	100%
8	पूर्व रेलवे	100%
9	कोंकण रेलवे	100%
10	मेट्रो	100%
11	दक्षिण पूर्व रेलवे	100%
12	पूर्व मध्य रेलवे	100%
13	दक्षिण मध्य रेलवे	99%
14	दक्षिण पश्चिम रेलवे	98%
15	पश्चिम रेलवे	98%
16	उत्तर पश्चिम रेलवे	97%

17	दक्षिण रेलवे	95%
18	पूर्वोत्तर सीमा रेलवे	85%

विद्युतीकरण परियोजनाओं का पूरा होना वन विभाग के पदाधिकारियों द्वारा वन संबंधी मंजूरी, बाधक जनोपयोगी सेवाओं की शिफ्टिंग, विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियां, क्षेत्र की भौगोलिक और स्थलाकृतिक परिस्थितियों, परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति, जलवायु परिस्थितियों के कारण परियोजना/परियोजनाओं विशेष स्थल के लिए किसी वर्ष में कार्य के महीनों की संख्या इत्यादि जैसे विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है। ये सभी कारक परियोजनाओं के पूरा होने के समय को प्रभावित करते हैं।

महाराष्ट्र में स्थित बड़ी रेल लाइनों का 100% विद्युतीकरण हो चुका है।

******